Durgah Charar-E-Sharief occupied by Militants

1605. SHRI KRISHAN LAL SHARMA:
SHRI V. NARAYANASAMY:
SHRI JAGMOHAN:

Will the PRIME MINISTER be pleased to state:

(a) whether it is a fact that militants including foreign mercenaries have occupied another mosque Charer-e-Sharief in Jammu and Kashmir State:

(b) whether it is also a fact that the militants have stored a large amount of arms and ammunition in the mosque to meet any encounter with the security forces; and

(c) if so, what steps Government have taken to free the mosque from their control and misuse?

THE MINISTER OF STATE IN THE PRIME MINISTER'S OFFICE (SHRI BHUVNESH CHATURVEDI): (a) to (c) Government is aware of reports that some militants, including foreign mercenaries, are present with weapons, in Chrar-e-Sharief where the shrine of Sheikh Nooruddin Noorani is located. A close watch is being kept on the situation and the required vigilance is being maintained. Further steps will be taken as may be necessary and warranted with the aim of containing the threats and activities of the militants in the area, keeping in view the sanctity of the shrine and the topography of the area.

कश्मीर में जाली करेंसी नोट

1606. **श्री कनकसिंह मोहनसिंह मंगरौला** : क्या **प्रधान मंत्री** यह बताने कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार को इस बात की जानकारी है कि पाकिस्तान कश्मीर में प्रति सप्ताह लाखों रुपए के जाली करेंसी नोट भेजकर हमारी अर्थव्यवस्था को कमजोर करने का प्रयास कर रहा है ;

(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है :

(ग) इस संबंध में कितने व्यक्तियों को गिरफ्तार किया गया है और उनसे कितने मूल्य के जाली करेंसी नोट पकड़े गए हैं ; और

(घ) सरकार ने पाकिस्तान के ऐसे प्रयास को रोकने के लिए क्या कदम उठाए है ?

प्रधान मंत्री कार्यालय में राज्य मंत्री (श्री भुवनेश चतुर्वेदी) :(क) से (घ) इस आशय के समाचार हैं कि पाकिस्तान उग्रवादियों के माध्यम से जम्मू व कश्मीर राज्य में जाली करेंसी नोट प्रचालित करने का प्रयास कर रहा है। जून और जुलाई, 1994 के दौरान कुछ जाली करेंसी नोट पकड़े गए थे तथा बैंकों द्वारा जाली मुद्रा के मामलों को भी प्रकाश में लाया गया है। राज्य सरकार द्वारा इन्हीं मामलों के आधार पर आर.पी.सी. की धारा 489 के तहत 14 मामले दर्ज किए गए हैं। मुद्रा जब्त करने संबंधी मामलों में दो व्यक्तियों को गिरफ्तार किया गया।

घाटी में प्रचालनाधीन जाली मुद्रा की ठीक-ठीक कीमत को नहीं दर्शाया जा सकता। इस व्यापार का पता लगाने और उसकी रोकथाम करने के लिए सभी संबंधित एजेंसियों द्वारा कड़ी नजर रखी जा रही है।

पूंछ के बांटवास गांव के निकट बारूदी सुरंग के कारण विस्फोट

1607. **श्री अनन्तराम जायसवाल :**
श्री सत्य प्रकाश मालवीय :

क्या **प्रधान मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि 24 दिसम्बर, 1994 को पुंछ जिले में मानकोट क्षेत्र के गांव बांटवास के निकट बारूदी

सुरंग के फटने से सेना के अनेक जवानों की मृत्यु हो गई और राज्य सरकार तथा स्थानीय प्रशासन द्वारा इस दुःखद घटना की अनदेखी कर दी गई;

(ख) क्या यह भी सच है कि आतंकवादियों ने 28 दिसम्बर, 1994 को श्रीनगर में महराजगंज पुलिस स्टेशन के निकट स्थित ऐतिहासिक "मुजाहिद मंजिल" को जला दिया और राज्य प्रशासन द्वारा इस घटना की भी अनदेखी कर दी गई ; और

(ग) यदि हां, तो क्या राज्य प्रशासन जम्मू और कश्मीर में इसी स्थिति को बनाए रखना चाहता है, यदि नहीं तो क्या सरकार के पास राज्य में सांप्रदायिक सामंजस्य कायम करने, लोगों में व्याप्त भय को दूर कर वहां सामान्य स्थिति बहाल करने तथा राज्य प्रशासन को चुस्त बनाने के लिए कोई ठोस एवं प्रभावी कार्यक्रम है और इस कार्यक्रम को कब तक लागू कर दिया जाएगा ?

प्रधान मंत्री कार्यालय में राज्य मंत्री (श्री भुवनेश चतुर्वेदी): (क) 24-12-94 को मानकोट भाटकर जिला-पूंछ में दो बारूदी सुरंग उस समय फटी जब सेना के दो वाहन उस क्षेत्र से गुजर रहे थे। इन विस्फोटों के परिणामस्वरूप सेना के 10 जवान मारे गए और 12 घायल हो गए। यह कहना सही नहीं है कि राज्य सरकार ने घटना को अनदेखा किया है, और दोषियों को पकड़ने के प्रयासों में कोई ढिलाई नहीं बरती गई है।

(ख) 27 दिसम्बर, 1994 की शाम को उग्रवादियों के एक गुट ने पाथर मस्जिद स्थित नेशनल कांफ्रेंस के मुख्यालय मुजाहिद मंजिल की इमारत को आग लगा दी। उन्होंने ड्यूटी पर तैनात संतरी को काबू कर लिया और कुछ चक्र गोलियां भी चलाई। अग्निशमन गाड़ियों पर भी गोलियां चलाई गईं और लोगों के विरोध प्रदर्शनों द्वारा आतंकवादियों को अग्निशमन गाड़ियों को अपना काम कर देने के लिए मजबूर करने तक, दमकल गाड़ियों को घटना स्थल पर पहुंचने से रोका गया। आग मुजाहिद मंजिल इमारत और चार अन्य रिहायशी मकान जलकर खाक हो गए।

(ग) राज्य में सामान्य स्थिति की बहाली के अनुकूल हालात तैयार करने के लिए कई कदम उठाए गए हैं। इनमें शामिल हैं : उग्रवादियों की गतिविधियों को सीमित रखने और बंदूक का भय कम करने के लिए उग्रवादियों के खिलाफ लगातार और लक्षित अभियान चलाना, राज्य में विकास और आर्थिक गतिविधियों को गति बढ़ाना, सिविल प्रशासन को पुनः सक्रिय बनाने के लिए कार्रवाई करना और जनता का सहयोग मांगकर तथा अधिक जवाब-देही सुनिश्चित करके सिविल प्रशासन में जनता का विश्वास सुदृढ़ करने के उपाय करना, और राज्य में राजनैतिक तत्वों को पुनः सक्रिय बनाने के प्रयास करना। इन प्रयासों को बजबूती से आगे बढ़ाया जा रहा है और सरकार का इरादा इनका अनुगमन गंभीरता से करने का है।

Rehabilitation of Kashmiri Hindu Pandit Refugees

1608. DR. MURLI MANOHAR JOSHI:

SHRI TRILOKI NATH CHATURVEDI:

Will the PRIME MINISTER be pleased to state:

(a) what are the latest arrangements made for the safe return of three lakh Kashmiri Hindu Pandit Refugees to their own homes in the Kashmir Valley before the elections are held in Jammu and Kashmir;